www.nagaurdaily.com
RNI Title-Code :- RAJBIL27027
Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर डेली न्यूज

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

बंगाल में बीकानेर एक्सप्रेस की 12 बोगियां पटरी से उतरीं, 7 की मौत

कोलकाता/सिलीगुड़ी।

उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के मयनागुड़ी स्थित दोमहनी के पास गुरुवार शाम को पांच बजे के करीब बीकानेर एक्सप्रेस की 12 बोगियां बेपटरी हो गईं। हादसे में चार-पांच बोगी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इस ट्रेन हादसे में अब तक सात यात्रियों की मौत की पुष्टि की जा चुकी है। अभी भी कई यात्री बोगी के नीचे दबे हुए हैं। जलपाईगुड़ी की डीएम मोमिता गोदरा बसु ने मौतों की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि 51 एंबुलेंस राहत-बचाव कार्य में लगी हैं। 40 घायलों को मयनागुड़ी और जलपाईगुड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, हादसे की खबर मिलते स्थानीय प्रशासन, पुलिस के बड़े अधिकारी मौके पर पहुंच गए, लेकिन हादसे के तीन घंटे बीत जाने के बाद भी कोई रेलवे अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। वहीं, राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। मौके पर अंधेरा होने के कारण काम करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी, धुपगुड़ी से दमकल कर्मी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। इस बीच, 200 से अधिक बीएसएफ के जवान बचाव अभियान को अंजाम देने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे हैं।

राहत और बचाव कार्य जारी

आसपास के सभी सरकारी व निजी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय ट्रेन की गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा थी। युद्धस्तर पर राहत व बचाव कार्य चलाया जा रहा है। ट्रेन बीकानेर से गुवाहाटी जा रही थी। यह घटना पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के क्षेत्र में हुई है। इस हादसे में कई बोगियां एक-दूसरे से टकराने के साथ एक दूसरे के ऊपर भी चढ़ गई हैं। साथ ही, कई बोगी पलट गईं हैं। अभी रेलवे व जिला प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती तीन बोगियों में फंसे हुए यात्रियों को निकालना है।

रेल मंत्री ने पीएम से की बात

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मैंने पीएम मोदी से बात की है और उन्हें बचाव कार्यों से अवगत कराया है। मैं व्यक्तिगत रूप से त्वरित बचाव कार्यों के लिए स्थिति की निगरानी कर रहा हूं। मैं अभी घटनास्थल के लिए निकल रहा हूं। मौके पर मेडिकल टीम व वरिष्ठ अधिकारी हैं। पीएम मोदी ने भी स्थिति और बचाव अभियान का जायजा लिया। हमारा फोकस रेस्क्यू पर है। अनुग्रह राशि की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की और पश्चिम बंगाल में ट्रेन दुर्घटना के मद्देनजर स्थिति का जायजा लिया।

मृतक के परिजनों को पांच लाख देगा रेलवे

रेलवे के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से तीन लोगों की मौत हुई है और 20 लोग घायल हुए हैं। मृतकों को पांच लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को एक लाख रुपये और मामूली रूप से घायल हुए लोगों को 25,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी ।यात्रियों की मानें तो दुर्घटना के समय ट्रेन की गति अधिक थी। इधर, हादसे की खबर मिलते ही रेलवे के आला अधिकारी और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे। राहत बचाव कार्य भी शुरू कर दिया गया है, लेकिन मौके पर अंधेरा होने के कारण काम करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। घायलों को बोगी से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

ये हैं हेल्पलाइन नंबर

गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस 15633 के पटरी से उतरने की उच्च स्तरीय रेलवे सुरक्षा जांच के आदेश दिए गए हैं। साथ ही ये रेलवे हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। 03612731622, 03612731623। गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस 15633 (यूपी) शाम करीब पांच बजे पटरी से उतर गई। इस दुर्घटना में 12 कोच प्रभावित हुए हैं। डीआरएम और एडीआरएम दुर्घटना राहत ट्रेन और मेडिकल वैन के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। एक यात्री ने बताया कि अचानक से झटका लगा और ट्रेन की बोगी पलट गई। ट्रेन के दो-चार डिब्बे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

कोरोना पर राज्यों के सीएम के साथ पीएम मोदी ने की बैठक

घबराने की जगह अलर्ट रहना ज्यादा जरूरी, तेजी से फैल रहा ओमिक्रॉन : पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मीटिंग की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की गई इस मीटिंग में पीएम ने मुख्यमंत्रियों से देश में कोरोना वायरस के कारण तेजी से बिगड़ रहे हालात और तैयारियों पर बात की। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि ओमिक्रॉन वैरिएंट पुराने सभी वैरिएंट्स के मुकाबले ज्यादा तेजी से फैल रहा है। यह अब तक संभावना से भी ज्यादा संक्रामक साबित हुआ है। हेल्थ एक्सपर्ट्स हालात का आकलन कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यह स्पष्ट है कि हम सभी को ज्यादा सतर्क रहना होगा, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जनता में पैनिक का माहौल न बने। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सौ साल की सबसे बड़ी महामारी से भारत की लड़ाई अब तीसरे साल में प्रवेश कर चुकी है। मेहनत हमारा एकमात्र पथ है और विजय एकमात्र विकल्प है। हम 130 करोड़ भारतीय अपने प्रयासों से कोरोना से जीतकर जरूर निकलेंगे। ऑमिक्रोन को लेकर पहले जो संशय की स्थिति थी, वो अब धीरे-धीरे साफ हो रही है। पिछले वेरिएंट की तुलना में ओमिक्रोन तेजी से फैल रहा है। ये अधिक ट्रांसमिसिबल है। हमारे स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्थिति का आकलन कर रहे हैं। स्पष्ट है कि हमें सतर्क रहना है। आज भारत लगभग 92% वयस्क जनसंख्या को कोविड वैक्सीन की पहली डोज दे चुका है। देश दूसरी डोज़ की कवरेज में भी 70% के आसपास पहुंच चुका है। 10 दिन के अंदर ही भारत ने लगभग 3 करोड़ किशोरों का भी टीकाकरण कर दिया है। फ्रंटलाइन वर्कर्स और वरिष्ठ नागरिकों को प्रीकॉशन डोज जितनी जल्द लगेगी उतना ही हमारे हेल्थ केयर सिस्टम का सामर्थ्य बढ़ेगा।

शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए हर घर दस्तक अभियान को हमें और तेज करना है। ओमिक्रॉन से लड़ने के अलावा, हमें इस वायरस के भविष्य के किसी भी वैरिएंट के लिए भी तैयार रहने की जुरूरत है। घर में बने आयुर्वेदिक, पारंपरिक उपाय भी मददगार होंगे। कोविड स्टैटिजी बनाते समय इकोनॉमी और आम लोगों की आजीविका की रक्षा करना बहुत महत्वपूर्ण है।

इससे पहले रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इमरजेंसी मीटिंग की थी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की गई इस मीटिंग में पीएम मोदी ने बच्चों के वैक्सीन ड्राइव को तेज करने के लिए कहा। मोदी ने निर्देश दिया कि जिन राज्यों में कोरोना के ज्यादा मामले आ रहे हैं उन राज्यों को टेक्निकल सपोर्ट दिया जाए। देश में पिछले चार दिन के दौरान एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर दोगुनी से ज्यदा हो गई है। फिलहाल देश में 11 लाख से ज्यादा एक्टिव मरीज हैं। अकेले बुधवार को 2.47 लाख नए कोरोना संक्रमित मिले, जो मंगलवार को मिले 1.93 लाख नए केस से करीब 25% ज्यादा थे।

प्रदेश में कोरोना से 7 मौतें, 9881 नए केस

जयपुर.

राजस्थान में कोरोना के 9881 नए केस मिले हैं, जबकि 7 मरीजों की मौत हो गई है। राजस्थान में पहली, दूसरी और तीसरी लहर में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 10 लाख के पार हो गया है। कोरोना के बढ़ते केस देखते हुए सरकार ने बोर्ड परीक्षाओं के प्रैक्टिकल एग्जाम रद्द कर दिए है। वहीं प्रमुख मंदिरों में भी अब लोगों के प्रवेश पर रोक लगनी शुरू हो गई। खाटूश्यामजी मंदिर में अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। जिलेवार स्थिति देखें तो जयपुर के अलावा 17 ऐसे जिले हैं जहां आज 100 से ज्यादा केस है। 10 ऐसे जिले हैं, जहां 50 से 100 के बीच मरीज मिले हैं। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान की रिपोर्ट देखें तो गुरुवार को जयपुर के अलावा सीकर, नागौर, झुंझुनूं और बाड़मेर में मरीजों की मौत हुई है।

वहीं पॉजिटिव केसों की स्थिति देखे तो आज अजमेर में 275, अलवर 767, बाड़मेर 335, भरतपुर 435, भीलवाड़ा 239, बीकानेर 678, चित्तौड़गढ़ 155, हनुमानगढ़ 217, जैसलमेर 151, जोधपुर 777, कोटा 765, नागौर 165, पाली 317, प्रतापगढ़ 113, सवाई माधोपुर 179, टोंक 102 और उदयपुर में 598 केस मिले हैं। वहीं जालौर, करौली, बूंदी, डूंगरपुर और गंगानगर को छोड़ दें तो शेष जिलों में 50 से 100 के बीच मरीज मिले हैं। करौली और जालोर लगातार दूसरे दिन सेफ रहे, यहां आज भी एक भी केस नहीं मिला। आज जयपुर, सीकर में 2-2, नागौर, बाड़मेर और झुंझुनूं में एक-एक मरीजों की मौत हुई है।

जयपुर में 2785 नए मरीज

जयपुर में आज कोरोना के 2785 मरीज मिले हैं। यहां बुधवार के मुकाबले 874 केस कम मिले हैं। जयपुर में आज सबसे ज्यादा 100 केस प्रताप नगर एरिया से मिले है। इसके अलावा विद्याधर नगर में 70, वैशाली नगर 98, टोंक रोड 99, सोडाला 68, सीतापुरा 67, शास्त्री नगर 60, सांगानेर 86, मानसरोवर 83, मालवीय नगर 97, अग्रवाल फार्म 54, अजमेर रोड 71, बनीपार्क 67, ब्रह्मपुरी 65, सिविल लाईन्स 67, सी-स्कीम 57, दुर्गापुरा 61, गोपालपुरा 53, जगतपुरा 97, जवाहर नगर 57 और झोटवाड़ा में 67 केस मिले है। इसके अलावा एक दर्जन से भी ज्यादा ऐसे एरिया हैं, जहां 50 से कम केस आए हैं।

2 मार्च 2020 को मिला था पहला केस

2 मार्च 2020 कोरोनाकाल की सबसे अहम तारीख है। इसी दिन राजस्थान में कोरोना का पहला रोगी मिला था। इसके बाद से राजस्थान में कोरोना के आंकड़े और डर बढ़ा है। मरीज 1 से 100, 100 से 1000 और 1000 से लाख हो गए। 683 दिनों में कुल कोरोना पॉजिटिव का आंकड़ा 10 लाख के पार पहुंच गया है। 8988 मरीजों की मौत हो चुकी है। हालांकि राहत की बात यह है कि 9.50 लाख से ज्यादा मरीज ठीक हो चुके हैं। 683 दिन के कोरोनाकाल में 10 लाख से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं। इस आधार पर आंकलन करे तो हर दिन औसतन 1464 मरीज मिले हैं और हर मिनट में 1 मरीज। इन 683 दिनों में 8981 की मौत हो गई, यानी हर 2 घंटे में 1 संक्रमित ने दम तोड़ दिया। देश में राजस्थान 11वां राज्य है, जहां 10 लाख या इससे ज्यादा मरीज मिल चुके हैं। सबसे संक्रमित राज्यों की बात करें तो नंबर 1 पर महाराष्ट्र है। वहां अब तक 70.34 लाख केस मिल चुके हैं।

30% मरीज जयपुर- जोधपुर में मिले

राजस्थान में मिले कुछ कोरोना मरीजों में से 30 फीसदी जयपुर और जोधपुर में मिले हैं। जयपुर में अब तक 2 लाख से ज्यादा और जोधपुर में 1 लाख से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं।

6 लाख से ज्यादा मरीज मिले 4 महीनों में

कोरोनाकाल के 22 महीनों में सबसे घातक 2021 में मार्च से लेकर जून तक के 4 महीने रहे। 18 महीने में जहां 3.68 लाख मरीज मिले हैं। वहीं इन 4 महीनों में 6.32 लाख मरीज मिले और 6135 लोगों की मौत हो गई।

पहला मरीज जिसकी मौत हो गई

राजस्थान में कोरोना ने 2 मार्च 2020 को दस्तक दी थी, जब जयपुर में पहला केस सामने आया था। इटली से आए एक बुजुर्ग पर्यटक में कोरोना वायरस मिलने की पुष्टि हुई थी, जिसका जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में इलाज किया गया था। इलाज के दौरान उसकी रिपोर्ट भी नेगेटिव आ गई थी, लेकिन कुछ दिनों बाद उसकी मौत हो गई।

बोर्ड के प्रैक्टिकल एग्जाम स्थगित

जयपुर।

प्रदेश में 17 जनवरी से शुरू होने जा रही 12वीं क प्रैक्टिकल परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी डी कल्ला कोरोना के मामले बढ़ने के बाद प्रैक्टिकल एग्जाम स्थगित करने की घोषणा की है। तीन दिन पहले ही 17 जनवरी से परीक्षाएं करवाने की घोषणा की थी, अब उन्हें स्थगित करने का फैसला किया है। शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने कहा कि बढ़ते कोरोना संक्रमण के कारण राज्य में 25 जिले रेड जोन में आ गए हैं। कोविड परिस्थिति को देखते हुए एक्सपर्ट्स की सलाह एक बार प्रैक्टिकल परीक्षाएं स्थगित करने का फैसला किया है। मौजूदा हालात में प्रायोगिक परीक्षाओं के आयोजन से ज्यादा जरूरी बच्चों को कोरोना संक्रमण से बचाना है। फरवरी में कोविड परिस्थिति की समीक्षा के बाद बच्चों की प्रायोगिक परीक्षाओं पर फेसला किया जाएगा।

संडे लॉकडाउन की नई गाइडलाइन

जयपुर।

संडे लॉकडाउन के दौरान अब दूध (डेयरी), फल-सब्जी और किराना की दुकानें खुली रहेंगी। गृह विभाग ने गुरुवार सुबह संशोधित गाइडलाइन जारी की है। संडे कर्फ्यू में डेयरी, फल-सब्जी और किराना की दुकानों सहित खान-पान सामग्री की दुकानों को खोलने की अनुमति दे दी है। गृह विभाग ने 9 जनवरी को जारी गाइडलाइन में दूध, फल-सब्जी और किराना की दुकानों को छूट नहीं दी थी। गाइडलाइन की इस खामी को प्रमुखता से उजागर किया था। कोरोना की पहली और दूसरी लहर में सख्त लॉकडाउन के समय भी डेयरी, फल-सब्जी और किराना की दुकानें खुली रहती थीं। गृह विभाग ने इसके बाद संशोधित गाइडलाइन जारी किया है।

सबसे पहले 29 दिसंबर को गाइडलाइन जारी हुई : कोरोना को लेकर सरकार 15 दिन में 5 गाइडलाइन जारी कर चुकी है। सबसे पहले 29 दिसंबर को गाइडलाइन जारी की। इसके बाद 2 जनवरी और 5 जनवरी को गाइडलाइन जारी कर कुछ पाबंदियां लगाई। फिर 9 जनवरी को गाइडलाइन जारी संडे कर्फ्यू, रात 8 बजे बाजार बंद करने, शहरों में 12 वीं तक की स्कूल बंद करने जैसी पाबंदियां लगाईं।

सम्पादकीय

महामारी में दुविधा

इस बार कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच सरकारें दुविधा में देखी जा रही हैं। एक तरफ तो वे पिछली दो लहरों के समय की गई बंदियों के अनुभव से आर्थिक गतिविधियों पर अंकुश लगा कर लोगों के रोजी-रोजगार पर संकट का जोखिम मोल नहीं लेना चाहतीं। दूसरी ओर उन्हें इस बात से कुछ राहत महसूस हो रही है कि इस बार का संक्रमण अधिक घातक साबित नहीं हो रहा। हालांकि सरकारों ने पहले से अस्पतालों और चिकित्सीय सुविधाओं का इंतजाम कर रखा है, पर चूंकि मरीजों पर इसका संक्रमण गंभीर नहीं देखा जा रहा, इसलिए उन्होंने दफ्तरी कामकाज और कारोबारी गतिविधियों को काफी हद तक उन्हें संचालित करने वालों पर छोड़ दिया है। हालांकि इसका नतीजा यह देखा जा रहा है कि बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और सार्वजनिक परिवहनों में खासी भीड़भाड़ नजर आ रही है, जिससे स्थिति के विस्फोटक होने की आशंका बनी हुई है।

दिल्ली सरकार ने पहले सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को आधी क्षमता के साथ चलाने का एलान किया, मगर जैसे ही लोगों को असुविधा होनी शुरू हुई, उसने अपना फैसला पलट दिया। इसी तरह दुकानों को सम-विषय नियम के अनुसार खोलने का नियम लागू किया, पर उसमें कड़ाई नहीं बरती गई, जिससे उसका बहुत असर नजर नहीं आ रहा। अब जब मामले बहुत तेजी से बढ़ने लगे हैं, तो दिल्ली सरकार ने घोषणा की है कि निजी कार्यालय बंद रखने होंगे, उनके कर्मचारियों को घर से काम करना होगा। मगर बहुत सारे व्यापारी और उद्यमी इसका विरोध कर रहे हैं। जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं, वहां रैलियों आदि पर तो रोक लगी हुई है, मगर बाजारों में पहले जैसी ही भीड़भाड़ नजर आ रही है। शादी-विवाह के समारोहों में नियम-कायदों का पालन नहीं हो रहा। यहां तक कि राजनीतिक दलों ने कई जगह शादी-विवाह के समारोहों में प्रचार का रास्ता निकाल लिया है। उन राज्यों की सरकारें किसी तरह की सख्त पाबंदी लगाने से बच रही हैं।

ऐसे में कोरोना संक्रमण के खतरे लगातार बने हुए हैं। एक भ्रम कोरोना और ओमीक्रान को लेकर भी बना हुआ है। चिकित्सा विज्ञानी बता रहे हैं कि ओमीक्रान का संक्रमण जानलेवा नहीं है, इससे घबराने की जरूरत नहीं। इसलिए बहुत सारे लोगों ने ओमीक्रान और कोरोना दोनों को एक ही मान लिया है, जबकि कोरोना का डेल्टा बहुरूप अभी समाप्त नहीं हुआ है। सरकारें अपेक्षा कर रही हैं कि लोग सावधानी बरतें और कोरोना नियमों का पालन करें, मगर हमारे देश के लोगों की आदत है कि जब तक सरकारें कड़ाई नहीं करतीं, वे मनमानी करते रहते हैं।

सरकारों की कोरोना की इस नई लहर में दुविधा ने कई तरह की आशंकाएं पैदा कर दी हैं। स्थिति यह है कि अभी देश में बहुत सारे लोगों ने कोरोनारोधी टीके की एक भी खुराक नहीं ली है, लाखों लोगों को दूसरी खुराक नहीं मिल पाई है, किशोरों के लिए टीकाकरण अभियान अभी शुरू ही हुआ है। ऐसे में दावा नहीं किया जा सकता कि कोरोना का प्रकोप जल्दी शांत हो जाएगा। हर बार केंद्र सरकार कुछ व्यावहारिक कदम उठाती रही है, मगर इस बार वह शिथिल ही नजर आ रही है। इसलिए भी राज्य सरकारों का रुख ढीला-ढाला बना हुआ है। केंद्र सरकार को इस मामले में कुछ व्यावहारिक कदम उठाने चाहिए, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर भी बुरा असर न पड़े और लोग सुरक्षित रह कर कामकाज कर सकें। नए कोरोना नियमों की घोषणा की अपेक्षा बनी हुई है।

बुनियादी मुद्दों के इंतजार में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा होते ही टिकटों की बंदरबांट और उन्हें हासिल करने के लिए दलदबदल की लहर शुरू हो गई है। लगभग हर बड़े लोकतंत्र में पार्टियां अपने उम्मीदवारों का चयन निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी सदस्यों और स्थानीय लोगों की राय और उम्मीदवारों की योग्यता के आधार पर करती हैं, लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। यहां पार्टियां नेताओं की कुनबाशाही की तरह चलती हैं। इसलिए उम्मीदवारों का चयन नेता, उनके वफादारों की पसंद, जाति, मजहब, वर्ग, हैसियत, बाहुबल और लोकप्रियता के आधार पर किया जाता है। यही भारतीय मतदाता की सबसे बड़ी विडंबना है। वह जातीय, धार्मिक और वर्गीय आधार पर सोचता है और अक्सर उसी आधार पर वोट देता है। हालांकि उसकी उम्मीद यह होती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि उसकी जाति, मजहब और वर्ग के लिए काम करने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को भी बेहतर बनाएं। वास्तव में होता इसके विपरीत है। अपने मताधिकार का प्रयोग योग्यता और व्यापक जनहित के मुद्दे पर नहीं करता, इसलिए न उसकी जाति, मजहब और वर्ग का कुछ भला हो पाता है और न ही उसके जीवन स्तर में कोई उल्लेखनीय सुधार आता है।

मुद्दों का सही होना आवश्यक : लोकतंत्र में प्रतिनिधियों को इसीलिए एक नियत कार्यकाल के लिए चुना जाता है ताकि सही काम न करने पर उन्हें अगले चुनाव में बाहर का रास्ता दिखाया जा सके। प्रतिनिधियों को अपने काम और वादों के प्रति उत्तरदायी बनाने का जो एकमात्र हथियार मतदाता के पास था, वह पूरी तरह से नाकाम हो चुका है। कभी उम्मीदवार जाति, मजहब और वर्ग के नाम पर जीत जाते हैं तो कभी दूसरे के नाम पर। आगामी विधानसभा चुनावों में भी वही कहानी दोहराए जाने के आसार हैं। जिन लोगों ने अपनी जाति, मजहब और वर्गों के हितों के लिए, रोजगार के वादों, सुरक्षा और विकास के वादों से आकर्षित होकर वोट दिए थे, वे इन सबके पूरा न होने और कोरोना महामारी में मारे गए स्वजनों और कारोबारों के चौपट हो जाने की वजह से नाराज होंगे और शायद बदलाव चाह सकते हैं। वहीं इनमें कई समस्याएं ऐसी हैं जो उम्मीदवार ही नहीं, उसकी पार्टी और पूरे तंत्र की योग्यता और जनसहयोग के बिना हल नहीं हो सकतीं।

सरकारी खजाने की सीमा : यदि रोजगार की बात करें तो उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड बेरोजगारी के मामले में आगे हैं। पार्टियां रिक्त सरकारी पदों को भरकर लाखों नई सरकारी नौकरियों का वादा करेंगी, पर क्या कारोबार और निजी उद्यमों को बढ़ाए बिना केवल सरकारी नौकरियों के सहारे करोड़ों लोगों को रोजगार दिया जा सकता है? क्या सरकारी नौकरियां ही रोजगार हैं? क्या आप अपने कारोबार में किसी को उसकी उत्पादकता की परवाह किए बिना नौकरी पर रखना चाहेंगे? मगर सरकारी नौकरियों में यही होता है। क्या यह आपके करों के पैसे का सही उपयोग है? उत्तर प्रदेश पर अभी 6.1 लाख करोड़ का कर्ज है, जो राज्य के जीडीपी का लगभग 28 प्रतिशत है। राज्य सरकार का सालाना खर्च 5.5 लाख करोड़ है, जिसका 14 प्रतिशत कर्ज लेकर पूरा किया जाता है। सरकार अपने हर सौ रुपये में से 40 रुपये सरकारी कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और पेंशन पर खर्च करती है और 14 रुपये उधारी में चुकाती है। पंजाब का हाल उससे भी बुरा है। पांच साल पहले पंजाब का कुल कर्ज 1.82 लाख करोड़ था, जो अब 2.82 लाख करोड़ हो चुका है। पंजाब सरकार का पिछले वर्ष का कुल राजस्व 69 हजार करोड़ से भी कम है, जिसका 40 प्रतिशत यानी हर सौ रुपये में से 40 रुपया कर्ज का ब्याज चुकाने और कर्ज चुकाने में खर्च किया जाएगा। 56.5 प्रतिशत वेतन, पेंशन और भत्तों पर खर्च होगा, जो कुल राजस्व के लगभग बराबर हो जाता है।

ऐसी आर्थिक दशा में उत्तर प्रदेश और खासकर पंजाब में चुनाव लड़ने वाले यदि लाखों नई सरकारी नौकरियां देने के वादे करते हैं तो आप स्वयं तय कर सकते हैं कि वे क्या कर रहे हैं? आप पूछ सकते हैं कि सामाजिक न्याय और विकास के लिए कर्ज लेकर सरकार चलाने में हर्ज ही क्या है? हर विकासोन्मुख देश

को यही करना पड़ता है। यह संभव है, बशर्ते दो बातों का ध्यान रखा जाए। पहली यह कि कर्ज के सालाना ब्याज और भुगतान की किस्त राजस्व के एक तिहाई से ऊपर न जाने पाए। दूसरी यह कि ब्याज और कर्ज का भुगतान वक्त पर होता रहे। वर्ना कर्ज की किस्त ऊपर जाने से सरकार चलाने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा। उत्तर प्रदेश तो नहीं, परंतु पंजाब सरकार अब खतरे के बिंदु की ओर बढ़ रही है।

सरकारी सेवाओं का लचर स्तर : हमारे चुनावी लोकतंत्र की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि बुनियादी मुद्दे चुनावों में नहीं उठाए जाते। आज से 40 साल पहले लगभग हर शहर की नगरपालिका के नलों का पानी पीने लायक होता था, लेकिन आज हर किसी को आरओ लगाना पड़ता है। इसी तरह सरकारी स्कूलों की स्थिति इतनी दयनीय कर दी गई है कि हर कोई कर्ज लेकर भी बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाना चाहता है। सरकारी स्कूलों के अध्यापकों को प्राइवेट स्कूलों के अध्यापकों से कई गुना वेतन, छुट्टियां और सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन क्या वे प्राइवेट स्कूलों के अध्यापकों से कई गुना बेहतर शिक्षा देते हैं? यही हाल डिस्पेंसरियों, अस्पतालों और सफाई संस्थानों का है।

क्या कोई उन्हें सुधारने की समयबद्ध योजना की बात करता है? क्या कोई बाबुओं और नौकरों की फौज पैदा करने वाली बेकार शिक्षा प्रणाली को सुधारने, निजी कारोबारों और रोजगार देने वाले उद्यमों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने की बात करता है? कभी सोचा है, क्यों नहीं? क्योंकि चुनाव एक निवेश बन गया है। पार्टियां और उम्मीदवार विकास करने, समतामूलक समाज बनाने और जाति, मजहब और वर्गों के आधार पर चले आ रहे विभाजन को पाटने के बजाय लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ उकसाने, असुरक्षा की भावना पैदा करने और अपना निवेश वसूल करने की जुगत में रहते हैं। जिसे लोकतंत्र का पर्व होना चाहिए, वह लोकतंत्र का कालाबाजार बनता जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। आशंका-कुशंका से बाधा होगी। किसी व्यक्ति से बहस हो सकती है। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी।

वृषभ
ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। शारीरिक कष्ट संभव है। भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। विवेक से कार्य करें। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मिथुन
सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा। झंझटों में न पड़ें। राजकीय सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं।

कर्क
प्रसन्नता बनी रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार तथा मित्रों का सहयोग मिलेगा। चोट व रोग से कष्ट हो सकता है।

सिंह
किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दौड़धूप रहेगी। नकारात्मकता हावी रहेगी।

कन्या
कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। मान-सम्मान मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

तुला
उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी।

वृश्चिक
भागदौड़ अधिक रहेगी। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है।

धनु
शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। जल्दबाजी न करें।

मकर
नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शत्रु तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधानी आवश्यक है। समय की अनुकूलता है। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ
नए उपक्रम प्रारंभ करने संबंधी योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं।

मीन
आय में वृद्धि होगी। अपने काम से काम रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। विवेक का प्रयोग करें। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है।

व्यापार समाचार

अडानी ग्रुप ने पॉस्को से किया समझौता
37,000 करोड़ का होगा निवेश

नई दिल्ली।

उद्योगपति गौतम अडानी की अगुवाई वाले अडानी समूह ने इस्पात, नवीकरणीय ऊर्जा समेत अन्य क्षेत्रों में कारोबारी अवसर तलाशने के लिए दक्षिण कोरियाई कंपनी पॉस्को के साथ समझौता किया है। दोनों कंपनियों ने इस लिहाज से समझौता ज्ञापन पर दस्तखत किए हैं।

एमओयू के तहत पांच अरब डॉलर तक का निवेश किया जा सकता है। समूह ने कहा कि उसने गुजरात के मुंद्रा में हरित, पर्यावरण-अनुकूल एकीकृत इस्पात कारखाने की स्थापना और अन्य उद्यमों समेत व्यावसायिक सहयोग के अवसर तलाशने पर सहमति जताई है। भारत के दिग्गज कारोबारी समूह अडानी ग्रुप ने गुजरात के मुंद्रा में इंटीग्रेटेड स्टील मिल शुरू करने के लिए पॉस्को से एक समझौता किया है। इसमें 37,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाना है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा, हम पॉस्को के साथ समझौता कर बहुत खुश हैं।

पॉस्को दुनिया की सबसे कुशल और स्टील बनाने वाली अत्याधुनिक कंपनी है। पॉस्को स्टील का प्रोडक्शन करने और कार्बन का उत्सर्जन कम करने में महारत हासिल रखती है। अडानी ग्रुप इस समय रिन्यूएबल एनर्जी, हाइड्रोजन, लॉजिस्टिक्स, पोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट मैनेजमेंट और रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के काम में जुटी हुई है। कंपनी ने कहा है कि पॉस्को के साथ समझौते के बाद कंपनी को कार्बन का उत्सर्जन कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

शुरुआती कारोबार में रुपया ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार किया

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजार में सुस्ती और व्यापक आर्थिक मोर्चे पर कमजोर आंकड़ों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया जिसके कारण बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय मुद्रा सीमित दायरे में कारोबार कर रही थी। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार के कारोबारी सूत्रों ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भी रुपया में बढ़त प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.91 पर खुला और पिछले बंद भाव के मुकाबले 4 पैसे बढ़कर 73.89 पर आ गया। शुरुआती सौदों में रुपया 73.97 पर पहुंच गया था। बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मात्र एक पैसे की बढ़त के साथ 73.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.97 पर था। घरेलू व्यापक आर्थिक मोर्चे पर, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) नवंबर 2021 में लगातार तीसरे महीने मंद रहा, जबकि खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर छह महीने के उच्च स्तर 5.59 प्रतिशत पर पहुंच गई।

कच्चे तेल की कीमतें 16 डॉलर बढ़ीं, पर देश में पेट्रोल-डीजल का भाव नहीं बढ़ा

मुंबई।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के खत्म होने तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों से लोगों को राहत मिलती रहेगी। कच्चे तेल का भाव इस समय 84 डॉलर के पार है, बावजूद इसके आने वाले समय में इनके दामों में बढ़ोत्तरी का कोई इरादा नहीं है।

70 दिनों से स्थिर हैं दाम : रुझान बताते हैं कि पिछले करीबन 70 दिनों से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोत्तरी नहीं की गई है। जबकि इसी दौरान कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़त हुई है और यह दो महीने के उच्चतम लेवल पर पहुंच गया है।

नवंबर में 85 डॉलर था भाव : आंकड़ों के मुताबिक, 11 नवंबर को क्रूड ऑयल का भाव 85 डॉलर प्रति बैरल था। एक दिसंबर को घटकर यह 69 डॉलर पर आ गया था। तब से लेकर अब तक इसमें करीबन 16 डॉलर की बढ़ोत्तरी हुई है। पिछले 40 दिनों में कच्चे तेल की कीमतों मे 16 डॉलर की बढ़ोत्तरी के बाद भी देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इस आधार पर देखें तो तेल की कीमतों में 7 रुपए प्रति लीटर की बढ़त होनी चाहिए थी। लेकिन मोदी सरकार ने इसे जस का तस रखा है।

आयात बिल पर होगा असर : हालांकि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से देश का आयात बिल बढ़ जाएगा। इसके साथ ही महंगाई और रुपए की कीमत पर भी इसका असर होगा। नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से जरूर कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, पर पहले दो लॉकडाउन की तरह इस बार उतनी कड़ाई से प्रतिबंध लागू नहीं हो रहे हैं। यही कारण है कि पेट्रोल और डीजल की मांग बनी हुई है।

ट्रांसपोर्टेशन पूरी रफ्तार में चालू है : बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में रिकवरी से ट्रांसपोर्टेशन अबाधित रूप से चालू है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर ओमिक्रॉन जनवरी अंत तक कमजोर होता है तो कच्चे तेल की कीमतें 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में भारत का आयात बिल बढ़ेगा और रुपए के साथ महंगाई भी बढ़ जाएगी। हालांकि देश में फरवरी से मार्च तक 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव को देखते हुए तेलों की कीमतों को स्थिर ही रखे जाने की उम्मीद है।

10 मार्च के बाद कीमतें बढ़ सकती हैं : ऐसी स्थिति में 10 मार्च के बाद से तेल की कीमतें ऊपर जा सकती हैं। फिलहाल कुछ राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के पार है तो डीजल 100 रुपए के करीब है। देश में जून 2017 में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में रोजाना बदलाव की शुरुआत की गई थी। उसके बाद से यह दूसरी बार है, जब इतने लंबे समय तक इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

अंतिम बार 4 नवंबर को हुआ था बदलाव : पेट्रोल और डीजल की कीमतें अंतिम बार 4 नवंबर को बदली गई थीं। उस समय केंद्र सरकार ने डीजल पर प्रति लीटर 10 रुपए और पेट्रोल पर 5 रुपए प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी में कमी की थी। उस दिन कुछ राज्यों ने तुरंत लोकल टैक्स को कम कर दिया था, जिससे तेल की कीमतें घट गई थीं। इसमें ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य थे। उसके बाद पंजाब और दिल्ली ने भी कीमतों में कमी थी। पेट्रोल पर 6 मई 2020 को 10 रुपए और डीजल पर 13 रुपए प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई गई थी।

कर्नाटक चुनाव में स्थिर थीं कीमतें : वैसे कर्नाटक में जब विधानसभा चुनाव था, तब मई 2018 में 19 दिन तक तेल की कीमतें स्थिर थीं।

जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसमें 5 डॉलर प्रति बैरल की बढ़त हुई थी। उससे पहले गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान दिसंबर 2017 में 14 दिन तक तेल की कीमतें स्थिर थीं। इनके अलावा जब पांच राज्यों पंजाब, गोवा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मणिपुर में 16 जनवरी 2017 से 1 अप्रैल 2017 तक विधानसभा चुनाव थे।

दिसंबर तिमाही नतीजे : देश की टॉप-3 आईटी कंपनियों को 18 हजार करोड़ मुनाफा, 50 हजार से ज्यादा नौकरियां दीं

नई दिल्ली।

देश की तीन सबसे बड़ी आईटी कंपनियों टीसीएस, इन्फोसिस और विप्रो ने दिसंबर तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी कर दिए। टीसीएस और इन्फोसिस के नतीजे तो उम्मीद से बेहतर रहे, जबकि विप्रो के मुनाफे में कमी आई है। बीती तिमाही के दौरान तीनों कंपनियों ने मिलकर 50,994 नई नौकरियां दीं। यानी ये तिमाही रोजगार के हिसाब से भी अच्छी रही। बीती तिमाही तीनों कंपनियों को संयुक्त रूप से करीब 18 हजार करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ है। इसमें से आधे से अधिक 9,769 करोड़ रुपए का मुनाफा टीसीएस को हुआ है। कंपनी ने बायबैक के अलावा प्रति शेयर सात रुपए के अंतरिम डिविडेंड का भी ऐलान किया है। इन्फोसिस का मुनाफा 5,809 करोड़ रुपए रहा, जो उम्मीद से बेहतर है। विप्रो के राजस्व में तो 21% से अधिक का इजाफा हुआ, लेकिन कंपनी का मुनाफा साल दर साल आधार पर 8.67% घटकर 2419.8 करोड़ रुपए रह गया।

तीनों कंपनियों का कुल ऑर्डर करीब 80 हजार करोड़ रुपए रहा : तीनों ही कंपनियां बीती तिमाही में नए ग्राहक और बिजनेस जोड़ने में कामयाब रहीं। तीनों कंपनियों का कुल ऑर्डर करीब 80 हजार करोड़ रुपए रहा। इसमें भी टीसीएस को सबसे अधिक 56,240 करोड़ के नए ऑर्डर मिले हैं। वहीं, इन्फोसिस को 18,722 करोड़ और विप्रो को 4440 करोड़ के ऑर्डर मिले हैं।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 51 हजार नौकरियां दीं : आईटी कंपनियों के बिजनेस में विस्तार का सीधा असर रोजगार पर दिखाई दे रहा है। इस सेक्टर की तीनों टॉप कंपनियों ने मिलकर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 50,994 नई नौकरियां बांटी। इसमें सबसे अधिक 28 हजार 238 नई नौकरी टीसीएसने दी। इसी के साथ टीसीएस के कुल कर्मचारियों की संख्या 5 लाख 56 हजार 986 हो गई है।

आयकर विभाग ने 10 जनवरी तक 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक के रिफंड जारी किए

नई दिल्ली।

आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस वित्त वर्ष में अब तक उसने 1.59 करोड़ करदाताओं को 1.54 लाख करोड़ रुपये से अधिक के रिफंड जारी किए हैं। आयकर विभाग ने ट्वीट किया, ''केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक अप्रैल 2021 से 10 जनवरी 2022 के बीच 1.59 करोड़ से अधिक मतदाताओं को 1,54,302 करोड़ से अधिक के रिफंड जारी किए हैं।'' इसमें आकलन वर्ष 2021-22 (31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष) के 1.20 करोड़ रिफंड शामिल हैं। जो 23,406.28 करोड़ रुपये के हैं।

उपमुख्य सचेतक चौधरी ने हिराणी में किया शहीद की मूर्ति का अनावरण

सद्दाम रँगरेज

कुचामन में लग्जरी एम्बूलेंस लोकार्पित

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज)। उपमुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी गुरुवार को कुचामन क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने कुचामनसिटी में लग्जरी एम्बूलेंस का लोकार्पण किया वहीं हिराणी में शहीद रामेश्वरलाल परसवाल की मूर्ति का अनावरण किया। इस क्रम में शहर के बस स्टैण्ड पर आयोजित एम्बूलेंस लोकार्पण समारोह में चौधरी ने प्रदेश सरकार द्वारा राजकीय चिकित्सालय में उपलब्ध कराई गई 35 लाख रुपये कीमत की वातानुकूलित एवं अत्याधुनिक एम्बूलेंस का लोकार्पण किया।

ये रहे उपस्तिथ–इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुतेन्द्र सारस्वत, नगर पालिकाध्यक्ष आसिफ खान, उपाध्यक्ष हेमराज चावला, दुर्गाराम चौधरी, भंवरअली खान, पार्षद अयूब तेली सहित अनेक कांग्रेसजन मौजूद थे। दूसरी ओर नवीन राजस्व ग्राम शहीद रामेश्वर नगर के में आयोजित मूर्ति अनावरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। चौधरी ने यहां शहीद रामेश्वर लाल की आदमकदम मूर्ति का अनावरण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद रामेश्वरलाल भारतीय की सेना मे ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। उनकी शहादत के ठीक दो वर्ष बाद गुरुवार को मूर्ति का अनावरण हुआ। इस अवसर पर चौधरी ने शहीद की वीरांगना रामेश्वरी देवी का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। चौधरी ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हम घर पर चैन की नीन्द ले रहे है, क्योंकि भारतीय सैनिक सीमाओं पर दिनरात डटे हुए है। देश के सैनिक एवं किसानों को सर्वोपरि बताते हुए चौधरी ने कहा कि सैनिक जहां सीमा पर डटकर देश रक्षा कर रहे है वहीं किसान भूमि का सीना चीरकर अन्न पैदा कर रहे है। शहीद के भाई ने बताया कि चार भाई बहनों में रामेश्वरलाल सबसे छोटे थे। वे वर्ष 2009 मे आर्मी में शामिल हुए थे। शहीद रामेश्वर परसवाल का जन्म 5 जुलाई 1990 को श्रीमती पेंफा देवी की कोख से हुआ था। पिता का नाम बुद्धाराम परसवाल है। माता-पिता दोनों इस दुनिया में नहीं है। उच्च माध्यमिक शिक्षा ग्रहण करते ही वे भारतीय सेना के तोपखाना रेजिमेंट में चयनित हुए। तत्पश्चात देश रक्षार्थ पंजाब, हरियाणा, सिक्किम में सैन्य सेवाएं दी। शहीद रामेश्वरलाल जम्मू कश्मीर में 45 वीं राष्ट्रीय राइफल जाट रेजीमेंट में वालियण्डर के रूप में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देते हुए मछल क्षेत्र में गश्त हिमस्खलन होने के कारण जख्मी हो गए। उन्हें गंभीर अवस्था में आर्मी हॉस्पिटल लाया गया, जहां उपचार के दौरान 13 जनवरी 2020 को वीरगति को प्राप्त हो गए। मूर्ति अनावरण समारोह में भांवता के सरपंच प्रतिनिधि देवीलाल मुवाल ने क्षेत्रीय विधायक से शहीद स्मारक तक सीसी ब्लॉक डलवाने, चारदीवारी निर्माण तथा शहीद स्मारक पर उप स्वास्थ्य केंद्र बनवाने की मांग की। समारोह में शहीद स्मारक के लिए भूमि दानदाता रामेश्वर नगर में चेनाराम, रामेश्वर कड़वा, रामूराम गुर्जर, मेवाराम डोडवाडिया का भी सम्मान किया गया।

मकराना में जलदाय विभाग के सहायक अभियंता को 90 हजार रूपये की रिश्वत लेते एसीबी ने रंगे हाथ पकड़ा

मोहम्मद शहजाद

मकराना(नागौर डेली न्यूज)। मकराना के जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता कार्यालय में गुरुवार शाम को पाली एसीबी टीम द्वारा जलदाय विभाग के सहायक अभियंता को 90 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपी सहायक अभियंता के आवास व अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी है। पाली एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिपाल चौधरी द्वारा भ्रष्ट सहायक अभियंता को ट्रेप करने की कार्रवाई की गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चौधरी ने बताया कि एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की पाली द्वितीय इकाई द्वारा गुरुवार को मकराना में कार्यवाही करते हुए सहायक अभियंता सीताराम यादव जन अभियांत्रिकी विभाग खंड मकराना को परिवादी से 90 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पाली एसीबी को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी फर्म द्वारा किए गए कार्यों के बकाया 10 लाख रुपए के बिलों को प्रमाणीकरण कर पास करने की एवज में कमीशन के रूप में सीताराम यादव ने 1 लाख की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी पाली द्वारा शिकायत का सत्यापन किया जाकर टीम द्वारा मकराना में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सीताराम पुत्र रामनारायण निवासी डूंगरसी का बास, किशनगढ़ रेनवाल हाल सहायक अभियंता मकराना को परिवादी से 90 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी द्वारा आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामला दर्ज करते हुए जांच की जा रही है। मकराना में एसीबी की इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया। वही एसीबी ने खनिज विभाग के सामने भ्रष्ट सहायक अभियंता के निवास स्थान पर भी जांच की जा रही है।

सुकन्या और पीपीएफ खाते खोलने का विशेष अभियान 17 जनवरी से

मकराना(नागौर डेली न्यूज) :

पोस्ट मास्टर जनरल राजस्थान पश्चिमी क्षेत्र जोधपुर के मार्गदर्शन एवं अधीक्षक डाकघर नागौर के निर्देशन में डाक विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि खाते और पीपीएफ खाते खोलने का विशेष अभियान 17 जनवरी से शुरू किया जा रहा है, जिसका समापन 28 फरवरी को होगा। इस संबंध में निरीक्षक डाकघर मकराना सरजीत चौहान ने बताया कि भारत सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए सुकन्या समृद्धि योजना के रूप में बहुत ही बढ़िया योजना चालू की गई है, जोकि बालिकाओं के सुरक्षित एवं उज्जवल भविष्य को देखते हुए उनकी शिक्षा और शादी जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को आसानी से पूरा करने में यह योजना बहुत ही मददगार है। इसमें 0 से 10 वर्ष तक की बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाए जा सकते हैं। यह खाता 250 रुपए देकर किसी भी नजदीकी डाकघर/ग्रामीण डाकघर में खुलवाया जा सकता है। इसमे 1 वित्तीय वर्ष में 150000 रूपए से ज्यादा जमा नहीं किए जा सकते। इसी योजना के समानांतर पीपीएफ (लोक भविष्य निधि खाता) भी काफी प्रचलित है और यह सभी प्रकार के लघु मध्यम उद्यमियों की निवेश के लिए पहली पसंद है। इस योजना में एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 500 व अधिकतम 150000 तक जमा किए जा सकते हैं।

फर्जी दस्तावेज से बना दी ग्राम सेवा सहकारी समिति, मामला दर्ज

हुक्माराम ताडा

खीवंसर(नागौर डेली न्यूज़) = खींवसर उपखंड क्षेत्र के डेहरू गांव में फर्जी दस्तावेज तैयार कर नई ग्राम सेवा सहकारी समिति बनाने का मामला प्रकाश में आया है। नई ग्राम सेवा सहकारी समिति बनाने के लिए फर्जी हस्ताक्षर व मोहर लगाकर नई ग्राम सेवा सहकारी समिति बनाने का प्रारूप भी तैयार कर लिया था। मामला पकड़ में आने के बाद व्यवस्थापक भावंडा के मांगाराम ने भावंड़ा पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है।

बाजरा खाने से मिलता है विटामिन, बाजरा को दे प्राथमिकता

किसानों ने गांव रूण में फाउंडेशन की ओर से विकास कार्य कराने अपील की

फखरूद्दीन खोखर

मूण्डवा(नागौर डेली न्यूज) : पंचायत समिति मूंडवा के गांव रूण में अम्बुजा सीमेन्ट फाउण्डेशन मारवाड़ मूण्डवा के तत्वावधान में गुरुवार को किसान संगोष्ठी का आयोजन कोरोना गाइड लाइन की पालना करते हुए किया। इस संगोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक नागौर के डॉक्टर राजदीप चौधरी ने चोयलों की ढाणी रूण में किसान संगोष्ठी में कहा कि राजस्थान के वासियों का मुख्य भोजन बाजरा है। हमें सर्दी हो या दूसरा मौसम इसका खाद्य के रूप में सेवन करना चाहिए क्योंकि बाजरा में विटामिन भरपूर मात्रा में मिलता है। हमारा बाजरा विदेशों में पेय पदार्थों के लिए भी प्रयोग में लिया जाता है। इसी प्रकार इन्होंने खेती के बारे में एक से बढ़कर एक जानकारियां किसानों को उदाहरण देते हुए बताया कि जिस तरह से कोई आदमी 24 घंटे काम करता रहेगा और आराम नहीं करेगा तो निश्चित तौर पर वह आदमी काम नहीं कर पाएगा। इसी प्रकार जैविक खाद का प्रयोग करें। इस अवसर पर मंच संचालन अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन के रामप्रसाद गोलिया ने करते हुए इस कार्यशाला पर किसानों से सवाल-जवाब कार्यक्रम भी रखा, जिसमें सही उत्तर देने वाले 20 किसानों को उपहार स्वरूप कृषि उपकरण दिए गए। संगोष्ठी में अम्बुजा के आयुषी माहेश्वरी, तानिया सूद, हनुमान राम और रूपेश प्रजापत ने भी किसानों को रबी और खरीफ की फसलों के बारे में जानकारी दी इस मौके पर रूण के ग्रामीणों ने अंबुजा के आए हुए अधिकारियों से मांग की कि हमारे गांव रूण में भी दूसरे गांवों की तरह विकास कार्य अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन की ओर से होने चाहिए, इस पर फाउंडेशन की अंजली ठाकुर, रामप्रसाद गोलिया ने आश्वासन दिया कि हम आपकी वाजिब और उचित मांग को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाएंगे।

आचार्यश्री महाश्रमण को डीडवाना ने दिया सम्मान, आचार्यश्री के नाम से होगा श्रीबांगड़ महिला महाविद्यालय का सभागार

श्रीबांगड़ महिला महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व पूर्व सानिवि मंत्री यूनुस खान ने जनता की मौजूदगी में की यह घोषणा

अबरार अली बेरी

डीडवाना(नागौर डेली न्यूज) : जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता महातपस्वी संत आचार्य श्री महाश्रमण की अहिंसा यात्रा का गुरूवार को आभानगरी डीडवाना में भव्य अभिनंदन हुआ। इस मौके पर श्रीबांगड़ महिला महाविद्यालय में आचार्य श्री ने छात्राओं व अभिभावकों को अहिंसा यात्रा के उद्देश्य व सदभावना, नैतिकता व नशामुक्त जीवन के तीन संकल्पों की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में महिला महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व पूर्व सानिवि व परिवहन विभाग मंत्री यूनुस खान ने आचार्यश्री महाश्रमण के नाम से श्री बांगड़ महिला महाविद्यालय के सभागार का नामकरण करने की घोषणा की। आचार्य श्री महाश्रमण की अहिंसा यात्रा गुरूवार सुबह दौलतपुरा से रवाना होकर आभानगरी डीडवाना पहुंची। यहां जगह जगह स्वागत कार्यक्रमों के बाद श्रीबांगड़ महिला महाविद्यालय में आचार्य श्री महाश्रमण ने छात्राओं व अभिभावकों को संबोधन देते हुए कहा कि जीवन में तीन बातों को संकल्प के रूप में लेकर चलेंगे तो जीवन का उद्देश्य सफल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह तीन बातें सदभावना, नैतिकता और नशामुक्ति है। उन्होंने कहा कि इन तीन संकल्पों को प्रत्येक मनुष्य को जीवन में उतार लेना चाहिए। इस मौके पर आचार्यश्री ने छात्राओं को शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में श्रीबांगड़ महिला महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व पूर्व सानिवि तथा परिवहन मंत्री यूनुस खान ने कहा कि आचार्यश्री महाश्रमण ने तीन देशों नेपाल, भूटान व भारत में अहिंसा यात्रा चलाकर विश्व पटल पर नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि आचार्य श्री के तीनों संकल्प सदभावना, नैतिकता व नशामुक्ति को जीवन में उतार लेने व इनको समाज में समाहित करने से भारत विश्व गुरू बनेगा। श्री खान ने कहा कि आचार्यश्री के तीनों संकल्पों का सभी जाति व धर्म के लोग मिलकर अनुसरण करेंगे।

शहर काजी की अगुवाई में हुआ आचार्यश्री का स्वागत

आचार्यश्री महाश्रमण की अहिंसा यात्रा जैसे ही आभानगरी डीडवाना पहुंची तो यहां रहमान गेट से स्वागत व अभिनंदन की शुरूआत हुई। इस मौके पर डीडवाना के शहर काजी जनाब रेहान उस्मानी जी की अगुवाई में आचार्यश्री महाश्रमण का सैयदों के मोहल्ले में स्वागत व अभिनंदन हुआ। अभिनंदन कार्यक्रम की पूरे नागौर जिले में चर्चा रही। इस गंगा जमुनी तहजीब की हर जाति व वर्ग के लोगों ने सराहना की। पूरे शहर में जगह जगह आमजन ने आचार्यश्री महाश्रमण का अभिनंदन किया।

आचार्य श्री ने किया महिला महाविद्यालय का भ्रमण

अहिंसा यात्रा के दौरान डीडवाना पहुंचे आचार्यश्री महाश्रमण ने श्रीबांगड़ महिला महाविद्यालय के परिसर का अवलोकन किया। इस दौरान श्रीबांगड़ महिला महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री यूनुस खान ने आचार्यश्री से स्वीकृति लेकर घोषणा की कि आचार्यश्री महाश्रमण के नाम से महिला महाविद्यालय के सभागार का नामकरण किया जाएगा। इसके बाद महिला महाविद्यालय प्रांगण में डीडवाना विकास परिषद समिति एवं श्री बांगड़ महिला महाविद्यालय संचालन समिति की साधारण बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से आचार्यश्री महाश्रमण के नाम से सभागार के नामकरण का निर्णय भी पारित किया गया।

कार्यक्रमों में यह रहे मौजूद

आचार्यश्री महाश्रमण की डीडवाना में अहिंसा यात्रा के दौरान डीडवाना विकास परिषद समिति के पूर्व अध्यक्ष शंकरलाल परसावत, राजेंद्र सिंघी महामंत्री, महावीर ओझा, राजेंद्र माथुर, किशन व्यास, सुरेश वर्मा, सुभाष गौड़, प्रवीण जैन डूंगरवाल, प्रकाश डूंगरवाल, पार्षद नासिर कुरैशी, सुरेश तंवर, नजीर खां, फारूक कुरैशी, सरपंच श्रवण बिजारणियां, मुतलीब कोटवाल, जैनाराम बलारा, हनुमान पूनियां, बनवारी व्यास तोषीणा, तारेश कुमार शर्मा, रमाकांत शर्मा, मालचंद लाहोटी, मनोज सारड़ा, मंगेज सिंह जेवलिया बास, स्वालीन देशवाली, चतुर्भुज मूंदड़ा, रामचंद्र तापड़िया, श्रवण भाटी, पंकज टाक समेत गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट ने सेवा कार्य कर मनाया संस्थापक का जन्मदिवस

प्लास्टिक निषेधता के प्रति किया आमजन को जागरूक

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट ने लॉयनवाद के संस्थापक मेल्विन जोन्स का जन्मदिवस प्रांत द्वारा निर्धारित प्लास्टिक निषेध अभियान के तहत आमजन को जागरूक कर मनाया। प्रांतीय जीएसटी कॉर्डिनेटर लॉयन राम काबरा के सानिध्य में क्लब सचिव लॉयन द्वारकाप्रसाद कुमावत, सर्विस चैयरपर्सन लॉयन प्रहलाद रांकावत, लॉयन सुमित काबरा, लॉयन कुलदीप गोड़ ने बस स्टैंड एवं स्टेशन रोड स्थित दुकानदारों एवं ग्राहकों को प्रतिबंधित प्लास्टिक तथा इसके बैग से होने वाले नुकसान की जानकारी से युक्त पोस्टर वितरित कर इनका उपयोग नहीं करने का आह्वान किया। लॉयन राम काबरा ने बताया मेल्विन जोन्स ने 105 वर्ष पहले 1917 में अमरीका के शिकागो में विश्व बन्धुत्व की भावना को ह्रदय में संजोकर सेवा एवं फेलोशिप का पौधा लगाया था जो वर्तमान में दुनिया के 200 से अधिक देशों में 48000 से अधिक क्लब के 14 लाख सदस्यों के माध्यम से वट वृक्ष के रूप में पीड़ित मानव हितार्थ सेवा कार्य कर रहा है। इस वट वृक्ष के संस्थापक सेवा के प्रणेता मेल्विन जोन्स के 143वें जन्मदिवस को विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठन लॉयन्स क्लब अंतरराष्ट्रीय के सदस्य दुनिया भर में सेवा कार्य कर गर्व एवं खुशी के साथ मना रहे है। इसी क्रम में प्रांत 3233 ई-2 के भी अधिकतर क्लब प्रांतपाल लॉयन संजय भंडारी के आह्वान पर स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण को प्रभावित कर रहे प्लास्टिक के प्रति जागरूक करने के सेवा कार्य कर इस विशेष दिन को मना रहे है।

महाविद्यालय में मेहंदी ओर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

रमेश जाजड़ा

जायल(नागौर डेली न्यूज) : स्थानीय राजकीय महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तहत गुरुवार को मेहंदी प्रतियोगिता के साथ अन्य कई प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा बढ़चढ़कर भाग लिया गया। महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ प्रभारी सहायक आचार्य सुनीता प्रजापत ने बताया कि महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिताओं में एकल नृत्य प्रतियोगिता में बीए प्रथम की छात्रा धापू प्रथम स्थान एवं द्वितीय वर्ष की छात्रा निरमा लटिवाल द्वितीय व पूनम शर्मा तृतीय स्थान पर रही। रंगोली प्रतियोगिता में शहनाज समूह ने प्रथम, मनीषा समूह ने द्वितीय व निरमा समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एकल गायन में पूजा शर्मा, धापू, पूजा ने क्रमश प्रथम द्वितीय ओर तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में बीएससी दितीय वर्ष की छात्रा शहनाज ने प्रथम व अंशुल दितीय, मदीना तृतीय स्थान रही। प्रतियोगिता में इंदु देवल, इंदु वर्मा, रमेश कुलहरी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय अरोड़ा, सहायक आचार्य डॉ. सुनील चौधरी ने, सुनील कुमार मीणा सुनीता प्रजापत आदि द्वारा विजेता छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दी गई।

फूड इंस्पेक्टर आने की खबर बाजार हुए बंद

श्यामसुन्दर प्रजापत

मीठड़ी(नागौर डेली न्यूज) : कस्बे दोपहर बाद अचानक ही दुकानदारों को खबर मिली की नावां में शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत खाद्य निरीक्षक राजेश जांगीड़ ने मिठाई की दुकानों पर सैम्पलिंग की कार्रवाई की है। इस का मालूम होते ही किराणा, मिठाई विक्रेता अपनी अपनी दुकानों के शटर बंद करके दुकानों के आस-पास मंडराते नजर आये, वहीं मोबाईल के माध्यम से दूसरे साथी दुकानदारों को इत्तला करने से कुछ ही समय मे बाजार मे आधी से ज्यादा दुकाने बंद हो गई। बाजार में संनाटा पर गया। फूड़ इंस्पेक्टर के डायरेक्ट निकल जाने की खबर से लगभग दो घंटे बाद बाजार खुल गया।

उगरपुरा में साइकिलें पाकर खिले छात्राओं के चेहरे

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज)। कुचामनसिटी ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उगरपुरा में कक्षा 9 व 10 की बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिल वितरण की गई। राज्य सरकार की योजना के अनुसार गत 2020-21 में कोरोना महामारी के कारण साइकिल वितरण नहीं हो पाई इसलिए गत वर्ष व वर्तमान सत्र की कुल 53 साइकिलें इस वर्ष एक साथ वितरित की गई। नि:शुल्क साइकिलें पाकर छात्राओं के चहरों पर खुशी छा गई। राउमावि उगरपुरा प्रधानाचार्य मोहन लाल गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि नि:शुल्क साइकिल वितरण राज्य सरकार की बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाली लोककल्याणकारी योजना है। दूरदराज से विद्यालय आने वाली बालिकाओं को आवागमन में किसी प्रकार की समस्या न हो और समय पर स्कूल पहुंच सकें। कार्यक्रम में उगरपुरा सरपंच प्रतिनिधि श्रवनराम मेघवाल, व्याख्याता नरेंद्र कुमावत, शिंभू सिंह, सत्यप्रकाश शर्मा, विनोद कुमार, संजय कुमार,बाबुराम, रेखा शर्मा, विनीता चतुर्वेदी, सुशीला गहन,जमना कुमारी, मधु शर्मा, मुमताज अली भाटी, अमिता चौधरी आदि उपस्थित रहे।

राणासर में भामाशाह सम्मान समारोह व साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित

जिलिया(नागौर डेलीन्यूज) :

राजकीय माध्यमिक विद्यालय राणासर में गुरुवार को भामाशाह सम्मान समारोह एवं साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विकास अधिकारी पंचायत समिति कुचामनसिटी शैलेंद्र सिंह रहे। अध्यक्षता मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जगदीश राय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रामेश्वर गावड़िया निदेशक बालाजी शिक्षण संस्थान आसनपुरा, सरपंच प्रतिनिधि हेमराज, संदर्भ व्यक्ति सुरेश सोनी, भामाशाह मांगीलाल शर्मा, कैलाश चंद, मोर मुकुट सिंह, एसएमसी अध्यक्ष जोधा राम रहे। कार्यक्रम में विद्यालय में कार्यरत कनिष्ठ सहायक बजरंग सिंह के सौजन्य से विद्यालय में अध्ययनरत सभी बच्चों को स्कूल बैग एवं स्कूल शूज वितरित किए गए। कार्यक्रम में भामाशाह ने बढ़-चढ़कर विद्यालय विकास हेतु सहयोग प्रदान किया। सहयोग राशि के रूप में कैलाश सुनगत द्वारा 41000, रामेश्वरराम गावड़िया द्वारा 21000, मांगीलाल शर्मा द्वारा 15000, मित्र मंडल राणासर द्वारा 15000, सरपंच संतोष देवी द्वारा 11000, सोमवार द्वारा 11000 मोर मुकुट सिंह राठौड़ द्वारा 5100, लक्ष्मी नारायण शर्मा द्वारा 5100, डॉक्टर विकास जोशी 5100, ओमप्रकाश जांगिड़ 5100, नंदलाल जांगिड़ 5100, रूप नारायण खंडेलवाल 5100 प्रभु दयाल शर्मा 5100, धनराज जोशी 2600, नटवरलाल भाटी 2100, चंद्रशेखर शर्मा 2100, गिरधारी लाल जांगिड़ जसराना 2100, कार्यक्रम में स्मार्ट कक्षा कक्ष निर्माण एवं सरपंच द्वारा विद्यालय में सीसी ब्लॉक लगवाने की घोषणा की गई। आज के इस कार्यक्रम में संस्था प्रधान विनोद कुमार वरिष्ठ अध्यापक बन्नाराम पोषक, सुशील कुमार जांगिड़ बजरंग लाल, त्रिलोचना काकड़ा, विनोद कुमार कुमावत, अनीता कीलका, पूनम पारीक, शारीरिक शिक्षक रामेश्वर राम, कनिष्ठ सहायक बजरंग सिंह, प्रकाश गुर्जर, हरीश, तनुजा शर्मा, गौतम शर्मा, प्रभु दयाल, धनराज जोशी, लक्ष्मी नारायण शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुशील कुमार जांगिड़ वरिष्ठ अध्यापक ने किया।

मरहूम फातिमा बेगम व ईस्माइल मणियार की स्मृति में नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का हुआ समापन

41 रोगियों का किया ऑपरेशन

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज)। नेत्र ज्योति देने की दिशा में काम करना सबसे बड़ा पुनीत कार्य है। यह कहना था कुचामन के ब्लॉक सीएमएचओ डॉ. धर्मेंद्र चौधरी का जो कि कुचामनसिटी के राजकीय चिकित्सालय में मरहूम फातिमा बेगम और मरहूम इस्माइल मणियार की स्मृति आयोजित नेत्र शल्य चिकित्सा प्रत्यारोपण शिविर के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

सामाजिक संस्था मदरसा इस्लामिया सोसायटी के तत्वावधान और अंधता निवारण समिति नागौर के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा एवं कृत्रिम लैंस प्रत्यारोपण शिविर का गुरुवार को समारोह पूर्वक समापन हुआ। मोहम्मद सलीम मणियार के सौजन्य से आयोजित इस शिविर के समापन समारोह में मदरसा इस्लामिया सोसाइटी के सदर मोहम्मद सलीम कुरैशी बीसीएमओ डॉ. धर्मेंद्र चौधरी, पीएमओ डॉक्टर प्रह्लाद बाजिया, समाजसेवी आरिफ खान, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शकील अहमद राव, डॉ. वीके गुप्ता, डॉ. मोहम्मद सलीम राव, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. लुकमान खान, डॉ. इसाक देवड़ा, वैद्य श्याम स्वरूप गौड़, समाजसेवी शम्भूदयाल कुमावत, लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट के संस्थापक अध्यक्ष लॉयन राम काबरा, कुचामन केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीपाल सिंह रसाल मंचासीन रहे। मंच संचालन एडवोकेट दौलत खान ने किया।

शिविर में राजकीय चिकित्सालय कुचामन के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. लुक़मान खान और उनकी टीम प्रमुख नर्सिंग ऑफिसर जाकिर हुसैन, सुमन कुमावत नेत्र सहायक मुरलीधर शर्मा, शिवराज लेब टेक्नीशियन, वसीम कुरैशी, सोहेल कुरैशी और आनंद ने शिविर में सेवाएं दी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. लुक़मान खान ने सभी मरीजों को स्वास्थ्य लाभ एवं नियमित दिनचर्या के सुझाव दिए और आवश्यक एहतियात की बातें समझाई। उन्होंने बताया कि सभी रोगियों को आगामी 10 फरवरी को फॉलोअप शिविर के लिए आना है।

डॉ. खान व स्टॉफ का अभिनन्दन-कार्यक्रम के दौरान नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. लुकमान खान और इसी बीच में सेवाएं देने वाले मेडिकल स्टॉफ सदस्यों को स्मृति चिहन भी मंचासीन अतिथियों की ओर से दिए गए। आयोजन समिति से जुड़े मईनुद्दीन शेख एमडी ने बताया कि शिविर के पहले दिन डॉ. लुकमान खान की ओर से आए हुए 150 रोगियों की जांच की गई और उनमें से चयनित 41 रोगियों का शिविर के दौरान ऑपरेशन किया गया। आयोजन समिति के जावेद कलाल ने बताया कि मोहम्मद सलीम मणियार की ओर से उनके माता-पिता की स्मृति में आयोजित होने वाला यह दूसरा शिविर है और रोगियों के लिए सभी तरह की सुविधाएं, इस शिविर में नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई।

मौलानी के सौजन्य से होगा आगाजी शिविर-आयोजन समिति से जुड़े मुस्लिम एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मोहम्मद शकील कुरैशी शिविर के समापन समारोह के दौरान एलान किया कि आगामी नि:शुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा एवं कृत्रिम लेंस प्रत्यारोपण शिविर समाजसेवी अब्दुल हमीद मौलानी के सौजन्य से मुस्लिम एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में कराया जाएगा।

रंगोली सजाओ प्रतियोगिता में झलका जबरदस्त उत्साह

मारवाड़ पीजी महाविद्यालय की छात्रा खुशी कंवर की रंगोली रही प्रथम

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला स्तरीय रंगोली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन स्टेशन रोड स्थित मारवाड़ पीजी महाविद्यालय में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ महाविद्यालय के निदेशक सुल्तान सिंह थालोड़, प्रबंध समिति के अध्यक्ष बनवारी लाल पचार, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार बिजारणियां तथा प्राचार्य डॉ. एस आर कुमावत माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से किया।

प्रतियोगिता के नागौर जिला पर्यवेक्षक महेश कुमार सोनी ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्र के प्रति रचनात्मकता को प्रेरित करने के लिए तथा भारत की कला परम्परा की महत्ता को दर्शाने हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में नागौर जिले की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के विधार्थियों के अतिरिक्त अन्य कलाकारों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में कलाकारों ने विभिन्न रंगो के बेजोड़ सामंजस्य से आकर्षक रंगोलियां बनाकर वर्तमान परिप्रेक्ष्य से जुड़े ज्वलंत घटनाओं को अपनी रंगोलियों में दर्शाया।

90 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

इस प्रतियोगिता में 90 प्रतिभागियों ने सहभागिता दी, जिन्होंने विभिन्न माध्यमों द्वारा रंगोली बनाकर अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल

के सदस्य अजमेर के वरिष्ठ चित्रकार महेंद्र चौरसिया, किशनगढ़ बणी ठणी शैली के आर्टिस्ट मुकेश कुमावत तथा जलरंग कला के वरिष्ठ आर्टिस्ट नरेंद्र कुमावत ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हेतु रंगोलियों का चयन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ चित्रकार महेंद्र चौरसिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में रंगोली में न केवल डिजाइन या अलंकरण को स्थान दिया गया बल्कि तत्कालीन विषयों को पूर्णता से रूपायित किया गया।

ये रहे विजेता

निर्णायक मंडल के अनुसार सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान पर मारवाड़ पीजी महाविद्यालय की छात्रा खुशी कंवर की रंगोली रही, राजूराम कुमावत की मॉर्डन आर्ट रंगोली द्धितीय तथा भाग्य श्री की फ्लॉवर चॉप रंगोली तृतीय स्थान पर रही। जूनियर वर्ग के लिये ग्लोबल इंटरनेशनल एकेडमी की छात्रा पिंकी कँवर की

रंगोली को निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान के लिए चयन किया, वहीं द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमश: नीतू बाजिया तथा नेहा चौधरी की रंगोलियां रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के निदेशक सुल्तान सिंह थालोड़ ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि कला एवं कलाकारों के लिए किए जाने वाले यह प्रयास अद्वितीय एवं सराहनीय है। प्रतियोगिता में विजेता रहे कलाकारों को आयोजन समिति के प्रबंधक सदस्यों तथा निर्णायक मंडल के सदस्यों ने पुरस्कृत किया।

डिस्कॉम के कर्ज में डूबे सरकारी कार्यालय

- करीब सवा चार करोड़ रूपये चल रहे बकाया
- बिजली फूंकी पर समय पर नहीं भर रहे बिल

अबूबकर बल्खी

लाडनूं(नागौर डेली न्यूज) : सरकारी कार्यालयों में सरकारी बिजली फूंक रहे अफसर अपने विभाग का बिजली बिल भी समय पर नहीं चुका पा रहे हैं, जिसके चलते विद्युत विभाग का इन पर करोड़ों का कर्जा चढ़ चुका है। हालांकि निगम अधिकारियों ने रिकवरी अभियान चलाते हुए नोटिस भी थमाए हैं मगर फिर भी राजकीय व गैर राजकीय कार्यालयों सहित यहां के घरेलू-अघरेलू उपभोक्ताओं पर विद्युत डिस्कॉम के करोड़ों रूपये बकाया चल रहे है।

नगरपालिका सबसे आगे

बात की जाये तो नगरपालिका मंडल कार्यालय पर विध्युत वितरण लिमिटेड लाडनूं कार्यालय के सबसे अधिक एक करोड़ रूपये का बिजली बिल बकाया चल रहा है। इसके साथ ही जलदाय विभाग लाडनूं दूसरे नंबर पर है, जिसमें अप्रेल से दिसम्बर तक पिछले नौ माह से 50 लाख रूपये का बिल बकाया है वंही पुलिस थाना लाडनूं में 5 लाख 71 हजार रूपये का कर्जा चढ़ा हुआ है। इसके साथ ही बीएसएनएल पर 7 लाख 28 हजार रूपये,कृषि एग्रीकल्चर पर 4 लाख के बिजली बिल बकाया चल रहे हैं। इसके अलावा 3 हजार 635 घरेलू उपभोक्ताओं पर दो करोड़ दो लाख रुपये व 421 अघरेलू उपभोक्ताओं पर 38 लाख 84 हजार रुपये सहित अनेक सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों पर निगम की कुल सवा चार करोड़ रुपये की राशि बकाया चल रही है।

पिछले 3 महीनों में साढ़े 4 हजार उपभोक्ताओं को नोटिस

डिस्कॉम के राजकुमार तुंगरिया कनिष्ट अभियंता, निगम कार्यालय लाडनूँ का कहना है कि डिस्कॉम का राजस्व वसूली अभियान मार्च तक चलेगा, जिसमें बकाया राशि वालों के विद्युत कनेक्शन काटे जाएंगे। इस मामले में बकाया चल रहे उपभोक्ताओं को पिछले 3 महीनों में 4500 नोटिस थमाए गए हैं, जिनसे करीब 50 लाख रुपये की राशि भी रिकवरी की गई है।

इनका कहना है

सरकारी विभागों व घरेलू-अघरेलू उपभोक्ताओं पर बकाया राशि अधिक होने के चलते उन्हें प्रतिमाह बिल जमा कराने का सूचित भी किया जा रहा है व नोटिस भी थमाए गए हैं फिर भी बकाया राशि जमा नहीं करवाने वालों के बिजली कनेक्शन काटे जाएंगे। लालचंद आंवला, सहायक अभियंता विद्युत निगम कार्यालय लाडनूँ।

मकर संक्रान्ती पर की अनोखी पहल, बालिकाओं को बांटे शॉल

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवदानपुरा में भामाशाह जगदीश प्रसाद जाखड़ ने अपनी धर्मपत्नी केशर देवी के साथ मिलकर मकर संक्रान्ती पर अनोखी शुरूआत की। संस्था प्रधान प्रद्युम्न शर्मा ने बताया कि भामाशाह ने अपने पूज्य पिताजी स्वर्गीय किशनाराम मास्टर की स्मृति में विद्यालय की बीस छात्राओं को शॉल वितरित कर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया। शाला परिवार ने इनकी इस सोच की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस अवसर पर सहीराराम, सुरेन्द्रपाल, प्रकाश, नीतू, श्रवणराम, घनश्याम, रेणु, जितेन्द्रसिंह, उषा, श्रवणकुमार, पल्लवी आदि उपस्थित थे।

आज मकर संक्रांति पर निकलेगी गौ रथ यात्रा

हितेश रारा

मारोठ(नागौर डेली न्यूज) : कस्बे में मकर संक्रांति के पर्व पर आज मारोठ के युवाओं द्वारा गौ रथ यात्रा निकाल कर गौशाला के लिए सहयोग की अपील की जाएगी। श्याम लाल प्रजापत ने बताया कि मकर सक्रांति के पर्व को दान पुण्य करने का दिन माना जाता है। हर कोई आज के दिन अपनी चंचल लक्ष्मी का सदुपयोग करते हुए दान निकालता है और आज मारोठ युवाओं द्वारा इस दान के दिन पर गौ रथ यात्रा निकालकर गौशाला के लिए सहयोग की अपील करेंगे।

कभी जिससे अंग्रेज डरा करते थे, कांग्रेस का वह पार्ट हैं सेवादल : खुर्शीद गौरी

मेड़तासिटी सेवादल शहर अध्यक्ष खुर्शीद गोरी का किया रियांबड़ी में अभिनंदन

इलियास खान

रियांबड़ी(नागौर डेली न्यूज़)। ऐसे समय में जब कांग्रेस रास्ता खोज रही है, उसे अपने संगठन की ओर देखना चाहिए और उस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल करना चाहिए, जिसे 1969 के बाद लगातार ख़त्म किया जाता रहा है। यह बात 1959 की है जब कांग्रेस के नासिक अधिवेशन में शामिल होने जा रहे प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को गेट पर रोक दिया जाता है। गेट पर सुरक्षा की ज़िम्मेदारी संभाल रहे कमलाकर शर्मा से नेहरू पूछते हैं क्या तुम मुझे नहीं जानते ? शर्मा विनम्रता से कहते हैं- मैं आपको जानता हूं। आप देश के प्रधानमंत्री हैं लेकिन, आपने उचित बैज नहीं लगाया है। ऐसे आप अंदर नहीं जा सकते तो उसी समय नेहरू मुस्कुराते हैं और अपनी जेब से बैज निकालकर दिखाते हैं। उसके बाद उन्हें अंदर जाने दिया जाता है। सेवादल की पत्रिका 'दल समाचार' में इस घटना का ज़िक्र भी है। यह बात रियांबड़ी उपखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को सेवादल अध्यक्ष खुर्शीद गोरी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। अध्यक्ष गोरी ने कहा कि कॉंग्रेस का सेवादल का एक अपना इतिहास है। यह 36 कॉम की पार्टी हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही कार्यकारिणी का विस्तार कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी । इस अवसर पर नव नियुक्त सेवादल अध्यक्ष खुर्शीद गोरी का राजस्थानी परंपरागत तरीके से माला व साफा बांधकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया ।

एडवोकेट रामकिशोर तिवारी ने भी सभा को संबोधित करते हुए सेवादल के इतिहास पर प्रकाश डाला। पीसीसी सदस्य लाला राम नायक ने अमरेश की उपलब्धियां बताई । इस अवसर पर पीसीसी सदस्य लाला राम नाईक, कांग्रेस नागौर जिला महासचिव एडवोकेट राम किशोर तिवारी , रियांबड़ी ब्लॉक संगठन महामंत्री रामनिवास भाटी, एडवोकेट अर्जुन पूरी, सुरेश चौधरी, राजेन्द्र कुमार गौड़, रामकिशोर कासानिया, ज्योति पूरी, रामदेव सारस्वत आदि मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com